एम.एच.डी.-22 : कबीर का विशेष अध्ययन
सत्रीय कार्य
(सभी खंडों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–22
सत्रीय कार्य कोडः एम.एच.डी–22/टी.एम.ए/2022–2023
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित काव्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : **10× 3 = 30**

(क) कबीर हरदी पीयरी, चूना ऊजल भाइ।
राम सनेही यूँ मिले, दुन्यूँ बरन गँवाइ।।

(ख) माया मुई न मन मुवा, मरि मरि गया सरीर।
आसा त्रिष्णाँ नाँ मुई, यौं कह गया कबीर।।

(ग) कबीर लहरि समंद की, मोती बिखरे आइ।
बगुला मँझ न जाँणइ, हंस चुणै चुणि खाइ।।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए : **15× 3 = 45**

(i) कबीर की भाषा के व्याकरणिक स्वरूप पर विचार कीजिए।

(ii) कबीर के काव्य में प्रयुक्त विशिष्ट शब्दावली 'शून्यावस्था' का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए।

(iii) दलित चेतना के निकष पर कबीर की कविता का मूल्यांकन कीजिए।

3. निम्नलिखित विषयों में से प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणी लिखिए : **5× 5 = 25**

(i) अवतारवाद
(ii) कबीरयुगीन सांस्कृतिक–साहित्यिक परिप्रेक्ष्य
(iii) पंचमकार
(iv) कबीर और गुरु अर्जुनदेव
(v) स्त्री विमर्श में कबीर